



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 199] नई दिल्ली, बुधवार, जून 10, 1993/ज्येष्ठ 20, 1915
No. 199] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 10, 1993/JYAISTHA 20, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रसायन और उर्वरक मंत्रालय
(रसायन और पेट्रोरसायन विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1993

सा. का. नि. 449(अ):— केन्द्रीय सरकार, भोपाल गैस विमोषिका (दावा कार्य-
वाही) अधिनियम, 1985 (1985 का 21) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, भोपाल गैस विभीषिका (दावा रजिस्ट्रीकरण और कार्यवाही) स्कीम, 1985 का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम भोपाल गैस विभीषिका (दावा रजिस्ट्रीकरण और कार्यवाही) संशोधन स्कीम, 1993 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. भोपाल गैस विभीषिका (दावा रजिस्ट्रीकरण और कार्यवाही) स्कीम, 1985 में—

(1) पैरा 13 में, —

(क) उपपैरा (2) को उपपैरा (3) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा ;

(ख) इस प्रकार पुनर्संख्यांकित उपपैरा (3) के पहले निम्नलिखित उपपैरा अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2) जहाँ कोई अपील पैरा 5 के उपपैरा (3) या उपपैरा (4) के अधीन पारित उपायुक्त के आदेश के विरुद्ध फाईल नहीं की गई है, वहाँ अपर आयुक्त पैरा 4 के अधीन फाईल किए गए किसी दावे को अभिलेख मंगा सकेगा। यदि अपर आयुक्त अभिलेख की परीक्षा करने के पश्चात् ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझता है तो वह उपायुक्त द्वारा पारित आदेश का, ऐसे कारणों से जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, पुनरीक्षण कर सकेगा :—

परन्तु जहाँ पुनरीक्षण में आदेश से दावेदार के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहाँ ऐसा कोई आदेश पुनरीक्षण में तब तक पारित नहीं किया जाएगा जब तक कि दावेदार को प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध हेतुक दर्शित करने का उचित अवसर न दे दिया गया हो।

इस पैरा के उपबन्ध इस स्कीम के पैरा 11 के अधीन पारित उपायुक्त के आदेशों को भी, जिनके लिए अपील उसके उपपैरा (5) में अनुध्यात है, लागू होंगे।”

[सं. फा. 21/10/85-सीएचआई (वाल्सूम III)]

विनय कोहली, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण : मूल स्कीम भारत के राजपत्र, असाधारण, में जी. एस. आर. 751(अ) दिनांक 24 सितम्बर, 1985 द्वारा प्रकाशित की गयी थी और बाद में जी. एस. आर. 927(अ) दिनांक 19 नवम्बर 1987 जी. एस. आर. 394(अ) दिनांक 28 मार्च, 1988, जी. एस. आर. 310(अ) दिनांक 5 मार्च, 1992 और जी. एस. आर. 910(अ) दिनांक 2 दिसम्बर, 1992 द्वारा उसका संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

(Deptt. of Chemicals and Petrochemicals)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June, 1993

G.S.R. 449(E).—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Bhopal Gas Leak Disaster (Processing of Claims) Act, 1985 (21 of 1985), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Bhopal Gas Leak Disaster (Registration and Processing of Claims) Scheme, 1985, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Bhopal Gas Leak Disaster. (Registration and Processing of Claims) Amendment Scheme, 1993.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Bhopal Gas Leak Disaster (Registration and Processing of Claims) Scheme, 1985, —

(1) in paragraph 13,—

(a) sub-paragraph (2) shall be renumbered as sub-paragraph (3) ;

(b) before sub-paragraph (3) as so renumbered, the following sub-paragraph shall be inserted, namely :—

“(2) Where an appeal has not been filed against the order of the Deputy Commissioner passed under sub-paragraph (3) or sub-paragraph (4) of paragraph 5, the Additional Commissioner may call for the record of any claim filed under paragraph 4, If the Additional Commissioner after examination of record considers it necessary or expedient so to do, he may, revise, for reasons to be recorded in writing, the order passed by the Deputy Commissioner :

provided that where the order in revision is likely to be prejudicial to the interest of the claimant, no such order shall be passed in revision unless the claimant has been given a reasonable opportunity of showing cause against the proposed order.

The provisions of this sub-paragraph shall also apply to the orders of the Deputy Commissioner passed under paragraph 11 of this Scheme for which appeal is contemplated in sub-paragraph (5) thereof.”

[F. No. 21/10/85-CH. I (Vol. III)]

VINAY KOHLI, Jt. Secy.

FOOT NOTE : The principal scheme was published in Gazette of India Extraordinary vide G.S.R. 751(E) dt. the 24th September, 1985 and subsequently was amended vide GSR 927(E) dt. the 19th November, 1987, G.S.R. No. 394(E) dt. the 28th March, 1988 and G.S.R. 310(E) dt. the 5th March, 1992 and G.S.R. 910(E) dated the 2nd December, 1992.